INTERMEDIATE EXAMINATION – 2022 (ANNUAL)

Model Set **112/212/312**

LL-BHOJPURI (भोजपुरी)

I.Sc. & I.Com & I.A.

समय : 03 घंटे 15 मिनट पूर्णांक : 100

Time : 03 Hrs. 15 Minutes **Full Marks : 100**

कुल प्रश्नों की संख्या : 100 + 7 = 107

Total No, of Questions : 100 + 7 = 107

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

Instructions for the candidates :-

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिए पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. इस प्रश्न–पत्र को ध्यान पूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में विभक्त है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गये OMR–उत्तर पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
7. खण्ड–ब में 7 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं।

8. किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के उत्तर देने हेतु अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR–शीट पर चिह्नित करें।

नीचे दिहल वस्तुनिष्ठ प्रश्नन में से सही उत्तर चुनीं – (50 x 1 =50)

1. संज्ञा के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

2. विशेषण के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

3. क्रिया के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

4. काल के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

5. संधि के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

6. लिंग के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

7. वचन के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

8. पुरूष के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

9. वाक्य के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

10. शब्द के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

11. वर्ण के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

12. जातिवाचक संज्ञा ह –

(A) गंगा (B) पर्वत

(C) सेना (D) घीव

13. व्यक्तिवाचक संज्ञा ह –

(A) घीव (B) सागर

(C) गंगा (D) सेना

14. भाववाचक संज्ञा ह –

(A) सेना (B) खटतुरूस

(C) गंगा (D) औरत

15. समूहवाचक संज्ञा ह –

(A) गंगा (B) घीव

(C) सेना (D) नदी

16. द्रववाचक संज्ञा ह –

(A) नदी (B) सेना

(C) गंगा (D) घीव

17. एह में तत्सम शब्द ह –

(A) पुष्प (B) लोहराइन

(C) फोकराइन (D) गुमसाइन

18. एह में तद्भव शब्द ह –

(A) फूल (B) लउर

(C) गोजी (D) पगड़ी

19. एह में देशज शब्द ह –

(A) स्कूल (B) कॉलेज

(C) फोकराइन (D) हॉस्पीटल

20. एह में विदेशज शब्द ह –

(A) अग्नि (B) आग

(C) प्लेटफार्म (D) लरछूतवा

21. सार्थक शब्द कहलाला –

(A) जेकर अर्थ होला (B) जेकर अर्थ ना होला

(C) दूनो (D) कवनो ना

22. निरर्थक शब्द कहलाला –

(A) जेकर अर्थ होला (B) जेकर अर्थ ना होला

(C) दूनो (D) कवनो ना

23. 'पोथी' कइसन शब्द ह ?

(A) सार्थक (B) निरर्थक

(C) दूनो (D) कवनो ना

24. 'कर्र–खर्र' कइसन शब्द ह ?

(A) सार्थक (B) निरर्थक

(C) दूनो (D) कवनो ना

25. स्वर वर्ण कवन कहलाला ?

(A) जेकर उच्चारण बिना मदद के होला

(B) जेकर उच्चारण केकरो मदद से होला

(C) दूनो

(D) कवनो ना

26. व्यंजन वर्ण कवन कहलाला ?

(A) जेकर उच्चारण स्वर के मदद से होला

(B) जेकर उच्चारण स्वर के मदद से ना होला

(C) दूनो

(D) कवनो ना

27. एह में स्वर वर्ण कवन ह ?

(A) य (B) र

(C) ल (D) आ

28. एह में व्यंजन वर्ण कवन ह ?

(A) अ (B) ई

(C) ओ (D) द

29. 'सीता जा रहली ह' कइसन वाक्य ह ?

(A) सरल (B) मिश्र

(C) संयुक्त (D) कवनो ना

30. 'हमार बबुआ धीरे–धीरे खाला' में क्रिया–विशेषण ह –

(A) हमार (B) बबुआ

(C) धीरे–धीरे (D) खाला

31. 'गोरकी लइकिया पढ़ रहल बिआ' में विशेषण ह –

(A) गोरकी (B) लइकिया

(C) पढ़ (D) रहल बिआ

32. 'गोरकी लइकिया पढ़ रहल बिआ' में संज्ञा ह –

(A) गोरकी (B) लइकिया

(C) पढ़ (D) रहल बिआ

33. 'गोरकी लइकिया पढ़ रहल बिआ' में क्रिया ह –

(A) गोरकी (B) लइकिया

(C) पढ़ (D) रहल बिआ

34. 'बबुआ खा रहल ह' में कवन काल ह ?

(A) वर्तमान (B) भूत

(C) भविष्यत (D) तीनू

35. 'बबुआ काल्ह खइले रहे' में कवन काल ह ?

(A) वर्तमान (B) भूत

(C) भविष्यत (D) कवनो ना

36. 'बबुआ काल्ह खइहें' में कवन काल ह ?

(A) वर्तमान (B) भूत

(C) भविष्यत (D) तीनू

37. 'शिक्षार्थी' के संधि–विच्छेद होखी –

(A) शि + क्षार्थी (B) शिक्षा + र्थी

(C) शिक्षा + अर्थी (D) कवनो ना

38. 'भोजनालय' के संधि–विच्छेद होखी –

(A) भो + जनालय (B) भोज + नालय

(C) भोजन + आलय (D) तीनू

39. संधि के भेदन का नाम ह –

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) विसर्ग (D) तीनू

40. 'दुः + गुण' में कवन संधि ह ?

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) विसर्ग (D) कवनो ना

41. 'नदी' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) उभयलिंग (D) नपुंसक लिंग

42. 'घास' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) दूनो (D) कवनो ना

43. 'भात' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) उभयलिंग (D) तीनू

44. 'कान' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) नपुंसक लिंग (D) कवनो ना

45. घूमे–फिरे वाला, कहलाला –

(A) पियक्कड़ (B) घुमक्कड़

(C) बतक्कड़ (D) बुझक्कड़

46. 'उजरकी' के विलोम शब्द ह –

(A) पतरकी (B) ललकी

(C) करियकी (D) पियरकी

47. 'बादर' के पर्यायवाची शब्द ह –

(A) हवा (B) आँधी

(C) जल (D) मेघ

48. 'लोहा के चना चबावल' मुहावरा के अर्थ ह –

(A) सरल काम कइल (B) कठिन काम कइल

(C) काम ना कइल (D) कवनो ना

49. उपसर्ग कवनो शब्द में लागेला –

(A) पहिले (B) बाद में

(C) बीच में (D) केहिजो ना

50. प्रत्यय कवनो शब्द में लागेला –

(A) पहिले (B) बीच में

(C) बाद में (D) केहिजो ना

51. 'सियार' शब्द में उपसर्ग ह –

(A) सि (B) यार

(C) दूनो (D) कवनो ना

52. 'सोझाई' शब्द में प्रत्यय ह –

(A) सोझा (B) आई

(C) दूनो (D) कवनो ना

53. भोजपुरी के आदि कवि हईं –

(A) सरहपाद (B) तुलसीदास

(C) सूरदास (D) कबीरदास

54. कबीरदास कवना काल के कवि बानीं ?

(A) आदिकाल (B) भक्तिकाल

(C) सिंगार काल (D) आधुनिक काल

55. हीरा डोम कवना काल के कवि बानीं ?

(A) आदिकाल (B) भक्तिकाल

(C) सिंगार काल (D) आधुनिक काल

56. हीरा डोम का कविता ह –

(A) भोर हो गइल (B) अछूत की शिकायत

(C) उत्थान (D) नवगीत

57. 'अछूत की शिकायत' कवन पत्रिका में छपल रहे ?

(A) हंस (B) माधुरी

(C) सरस्वती (D) बालक

58. महावीर प्रसाद द्विवेदी कवन पत्रिका के संपादक रहीं ?

(A) हंस (B) माधुरी

(C) सरस्वती (D) बालक

59. गंगा प्रसाद अरूण कवन पत्रिका के संपादक रहीं ?

(A) हुँकार (B) फुँफकार

(C) लुकार (D) कवनो के ना

60. कबीर दास के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

61. धरनीदास के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो D) कवनो ना

62. भिनक राम के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

63. 'भोर हो गइल' कविता के कवि बानीं –

(A) डॉ0 मनोज सुमन (B) महेन्द्र शास्त्री

(C) पांडेय कपिल (D) सूर्यदेव पाठक

64. 'भोर हो गइल' कविता में कवना समय के वर्णन ह ?

(A) दिन (B) रात

(C) भिनसहार (D) दूपहर

65. 'फिरंगिया' कविता के कवि बानीं ?

(A) परमेश्वर दूबे (B) मनोरंजन प्रसाद सिन्हा

(C) गंगा प्रसाद अरूण (D) तीनू

66. कबीरदास ईश्वर के कइसन रूप के सुमिरन कइले बानी ?

(A) साकार (B) निराकार

(C) दूनो (D) कवनो ना

67. 'मानिक मोर हेरइले' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) ललित निबंध (D) नाटक

68. 'मानिक मोर हेरइले' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ0 उदय नारायण तिवारी (B) डॉ0 विद्यानिवास मिश्र

(C) डॉ0 उषा वर्मा (D) डॉ0 हरेराम तिवारी

69. 'मछरी' कवन विधा के रचना ह ?

(A) कविता (B) कहानी

(C) उपन्यास (D) एकांकी

70. 'जोंक' कवन विधा के रचना ह ?

(A) कविता (B) कहानी

(C) उपन्यास (D) एकांकी

71. 'जोंक' के रचनाकार हईं –

(A) रामेश्वर सिंह काश्यप (B) राहुल सांकृत्यायन

(C) रामनाथ पांडेय (D) रामनाथ पाठक

72. 'मछरी' के रचनाकार हईं –

(A) रामेश्वर सिंह काश्यप (B) राहुल सांकृत्यायन

(C) रामनाथ पांडेय (D) रामनाथ पाठक

73. 'बहुत दिनन पिय ..... विदेसा' में खाली शब्द ह –

(A) रहल (B) बसल

(C) महल (D) कहल

74. 'हीरा हेराइल ..... में' में खाली शब्द ह –

(A) नजरे (B) पचरे

(C) कचरे (D) लबरे

75. 'अगिया लागे ..... जरे' में खाली शब्द ह –

(A) मनमा (B) बनमा

(C) तनमा (D) धनमा

76. 'फिरंगिया' कविता कवना चीज से संबंधित बा ?

(A) सिंगार (B) देशभगति

(C) वीरता (D) हास्य

77. 'पारन' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) एकांकी (D) भाषन

78. 'पारन' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ0 पन्नालाल प्रसाद (B) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय

(C) डॉ0 शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव (D) डॉ0 उषा वर्मा

79. 'काकी के गहना' के विधा ह –

(A) कविता (B) नाटक

(C) कहानी (D) आलोचना

80. 'काकी के गहना' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ0 ब्रजभूषण मिश्र (B) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय

(C) डॉ0 शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव (D) डॉ0 उषा वर्मा

81. कबीरदास के रचना संगृहीत बा –

(A) माटी का देवता (B) बीजक

(C) रामचरित मानस (D) सूरसागर

82. एह में कवन बाएन रचना ह ?

(A) प्रेम के कलश (B) रूप के हिरन

(C) साल में एक बेर (D) तीनू

83. महेन्द्र मिसिर कवना लोकगीत खातिर जानल जाले ?

(A) सोहर (B) झूमर

(C) होली (D) पूरबी

84. गंगा प्रसाद अरूण कहवाँ कार्यरत रहनीं ?

(A) पटना (B) आरा

(C) जमशेदपुर (D) राँची

85. 'रूप के हिरन' कविता में केकर किलकारी सुनाई पड़ता ?

(A) साँझ के (B) नदियन के

(C) पहाड़ी के (D) जंगल के

86. 'प्रेम के कलश' कविता में केकरा काटे के बात कहाइल ह ?

(A) चंदन के गंध (B) बीख के बिरबा

(C) वन के (D) कवनो ना

87. 'भोर हो गइल' कविता में कवन चहक उठल ह ?

(A) चुनमुनिया (B) ललमुनिया

(C) दुनिया (D) झुनिया

88. 'खोल द ..... भोर हो गइल' वाक्य में खाली शब्द ह –

(A) किबाड़ (B) खिड़की

(C) दुआर (D) साँकल

89. डॉ0 उषा वर्मा के कहानी–संग्रह ह –

(A) धुँआ (B) काकी के गहना

(C) लाइची (D) माटी का देवता

90. चेखव कवना भाषा के लेखक रहीं ?

(A) हिन्दी (B) रूसी

(C) अंग्रेजी (D) बंगला

91. ग्रियर्सन कवना भाषा के लेखक रहीं ?

(A) हिन्दी (B) रूसी

(C) अंग्रेजी (D) बंगला

92. रवीन्द्र नाथ टैगोर कवना भाषा के लेखक रहीं ?

(A) हिन्दी (B) रूसी

(C) अंग्रेजी (D) बंगला

93. रवीन्द्र नाथ ठाकुर रहनिहार रहीं –

(A) भारत (B) इंगलैंड

(C) रूस (D) इटली

94. ग्रियर्सन रहनिहार रहीं –

(A) भारत (B) इंगलैंड

(C) रूस (D) इटली

95. चेखव रहनिहार रहीं –

(A) भारत (B) इंगलैंड

(C) रूस (D) इटली

96. ग्रियर्सन बिहारी भासा केकरा–केकरा कहले बानीं ?

(A) मगही (B) मैथिली

(C) भोजपुरी (D) तीनू

97. आम के बगइचा के कहल जाला –

(A) वनराई (B) अमराई

(C) खँटाई (D) कवनो ना

98. आम के छोट–छोट फर के कहल जाला –

(A) कोरा (B) झँकोरा

(C) टिकोरा (D) भँकोरा

99. आम के फूल के कहल जाला –

(A) चोकर (B) जोकर

(C) ठोकर (D) मोजर

100. आम के छोट–छोट गाछ के कहल जाला –

(A) अमोला (B) कोकोला

(C) बमबम भोला (D) फाटल झोला

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. कवनो एगो पर निबंध लिखीं – 1x8=8

छठ पर्व, वसंत ऋतु, कवनो पुस्तक, कवनो महापुरूष, मेला

2. कवनो एगो गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – 1x4=4

क. जे धरतीमाता के पाछे आपन खून–पसीना एक करेला, उहे ईमानदारी के अन्न खाला, नाहीं त ई जिमदार बड़का जोंक हवें।

अथवा

ख. वाह रे, लोग–बाग कही त कुँइयाँ में कूद जाइब ? एह साल ना सही, अगिला साल सही ? कवनो मछरी ह जे सड़ल जात बिया।

3. कवनो एगो पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं– 1x4=4

क. शरद के लहँगा लहराइल
बाज उठल केकर दो पायल
के दो मुसुकाइल
शरद के लहँगा लहराइल

अथवा

ख. अँगना तूँ चहक ललमुनिया अस
दुअरा हम बंसी बजाईं
कि मन मोर हो गइल
खोल द दुआर, भोर हो गइल।

4. कवनो एगो के पत्र – लेखन करीं – 1x5=5

क. परीक्षा पास कइला प आपन छोट भाई के बधाई पतरी लिखीं।

अथवा

ख. बहन की शादी खातिर छुट्टी मांगित प्राचार्य लगे आवेदन–पत्र लिखीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

5. कवनो पाँच प्रश्नन के उत्तर लिखीं – 5x2=10

क. छठी कब आ कइसे मनाबल जाला ?

ख. छठ कब आ कइसे मनाबल जाला ?

ग. कबीरदास के भगति बताईं।

घ. हीरा डोम का–का शिकायत कइले बानीं ?

ङ. भोजपुरिया लोग दही कइसे जमावेला ?

च. ग्रियर्सन कवना बात में अपना के बिहारी मानस ?

छ. फिरंगियन का बारें में बताईं।

ज. देश में भइल उत्थान के नाम गिनाईं।

झ. सराती मेहरारू का देखे खातिर मँड़रा ली सन ?

ञ. भोजपुरी के विकास कइसे होखी ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

6. कवनो तीन गो प्रश्नन के उत्तर लिखीं – 3x5=15

क. कवनो कहानी के कथावस्तु संक्षेप में लिखीं।

ख. कवनो कविता के भाव बताईं।

ग. 'मछरी' कहानी में नारी के का दुःख भरल बा ?

घ. 'जोंक' एकांकी के आधार पर जमीन्दार के अत्याचार बताईं।

ङ. 'भोर हो गइल' कविता के प्रकृति–चित्रण लिखीं।

च. 'फिरंगिया' कविता के आधार पर अंग्रेजन के अत्याचार बताईं।

7. कवनो एगो के संक्षेपण करीं – 1x4=4

क. ईया के एगो आदत रहे कि जबे देख ओसारा में खटिया से सट के दासा पर बइठल रहिहन, हुक्का पियत रहिहन, आ कुछु–कुछु केहुओ से बोलत रहिहन। ना केहू रही त आपन पोसल सुगवे से कहिहन–का टर–टर करत रहेले, चारों ओरी भात छींट के रख दे तारे, एक दिना ना नहवाई त एकै चैने ना मिली। अपने त ऊ दस बजिइया गाड़ी आई तबले कुछु–कुछु करत रहिहन। ओकरा बाद नहइहन, आ नहाए के पहिले पूरा घर साफ करिहन। कवनो पथार घामे डाले के रही त डलिहन, आपन बोरसी में आग जिअइहन। एहे तरी काम करत रहिहन।

अथवा

ख. आचार्य शिवपूजन सहाय के जनम 1893 ई0 में शाहाबाद (अब बक्सर) जिला के उनवाँस गाँव में भइल रहे। 1912 ई0 में मैट्रिक पास करके शिक्षक के कार्य करे लगलीं। साहित्य के क्षेत्र में इहाँ के पत्रकारिता के माध्यम से प्रवेश कइलीं। मुख्य रूप से इहाँ के कहानी आ लेख लिखत रहीं। पत्रकारिता आ साहित्य के क्षेत्र में इहाँ के योगदान भुलावल ना जा सके। हिन्दी के साथे साथ इहाँ के आपन मातृभाषा भोजपुरी के भी समृद्ध कइले रहीं। इहाँ के संपूर्ण रचनावली चार खंड में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना से प्रकाशित भइल बा। भारत सरकार इहाँ के पद्मभूषण के उपाधि से अलंकृत कइले रहीं। इहाँ के निधन 1963 ई0 में भइल।